'सिलसिला'

ने गाया है। 1956 में प्रदर्शित प्रदीप कुमार और बीना रॉय की जोड़ी वाली फिल्म 'दुर्गेशनंदिनी' में हेमंत कुमार ने राजेंद्र कृष्ण का लिखा 'मत मारो श्याम पिचकारी मोरी भीगी चुनरिया सारी' लता मंगेशकर की आवाज में रिकॉर्ड किया। लोक और शास्त्र की जुगलबंदी का एक सरस उदहारण है 1959 की फिल्म 'नवरंग' का गीत 'अरे जा रे नटखट, ना छू रे मेरा घूंघट ए पलट के दूंगी तुझे गाली रे' जिसे भरत व्यास ने लिखा और सी रामचंद्र ने खुद अपनी धुन पर इसे आशा भौंसले के साथ गाया।

सातवें दशक के होली गीतों में सबसे पहले याद आता है फिल्म 'दो दिल' (1963) का हेमंत कुमार का रचा 'होली रे होली बबम बम लहरी, लहर लहर नदिया गहरी' जिसे विश्वजीत और राजश्री पर फिल्माया गया। कैफी आजमी के लिखे इस गीत को उषा मंगेशकर और मन्ना डे ने आवाज दी है। 1966 की फिल्म 'फूल और पत्थर' में संगीतकार रवि ने आशा भौंसले से एक गीत 'लाई है हजारों रंग होली, कोई तन के लिए कोई मन के लिए' जिसे शकील बदायूनी ने रचा था। 1971 में प्रदर्शित फिल्म 'कटी पतंग' से होली गीतों में एक अलग ही मस्ती का माहौल बनता है जिसका श्रेय आप संगीतकार आर डी बर्मन को दे सकते हैं। इस फिल्म में उनके संगीत से सजा 'आज ना छोड़ेंगे बस हमजोली खेलेंगे हम होली' को लता मंगेशकर और किशोर कुमार ने गाया और इसके बोल लिखे आनंद बक्षी ने।

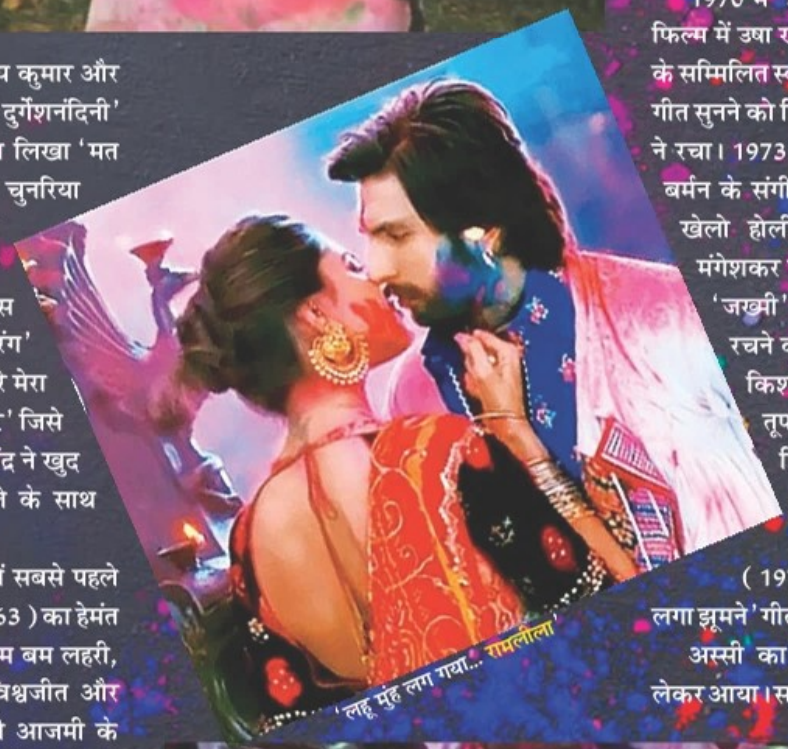

'लहू मुंह लग गया... रामलीला'

इसी साल प्रदर्शित 'पराया धन' में भी आर डी बर्मन के झूमा देने वाले संगीत से सजा एक गीत 'होली रे होली रंगों की डोली, आई तेरे घर पे मस्तों की टोली, मुख ना छुपा ओ रानी सामने आ' था जिसे आशा भौंसले और मन्ना डे के स्वरों में कम्पोज किया गया। 'नमक हराम' के गीत 'नदिया से दरिया, दरिया से सागर' के बोल में हांलाकि होली का जिक्र नहीं आता लेकिन यह पूरा गीत होली पर फिल्माया गया है और यहां भी आर डी बर्मन ने अपनी शोख धुनों से किशोर कुमार की आवाज की चंचलता को नया रंग दिया है। 1975 की सर्वाधिक कामयाब फिल्म 'शोले' में भी आर डी बर्मन ने एक होली गीत 'होली के दिन खिल जाते हैं, रंगों में रंग मिल जाते हैं' रचा जिसे लता मंगेशकर और किशोर कुमार ने गाया।

1970 में 'होली आई रे' शीर्षक से प्रदर्शित फिल्म में उषा खन्ना, लता मंगेशकर और मन्ना डे के सम्मिलित स्वरों में 'होली आई रे, होली आई रे' गीत सुनने को मिला जिसे कल्याण जी आनंद जी ने रचा। 1973 में प्रदर्शित 'फाल्गुन' में एस डी बर्मन के संगीत से सजा एक गीत 'पिया संग खेलो होली फागुन आयो रे' को लता मंगेशकर ने आवाज दी। 1975 की फिल्म 'जख्मी' में बप्पी लहरी को भी होली गीत रचने का अवसर मिला और उन्होंने यहां किशोर कुमार से 'मस्तानों की टोली तूफान दिल में लिए' गवाया। किशोर कुमार और सुमन कल्याणपुर के युगल स्वरों में राजेश रोशन ने फिल्म 'दिल्लगी' (1978) में 'कर गई मस्त मुझे हवा मैं लगा झूमने' गीत रचा।

अस्सी का दशक कुछ सुरीले होली गीत लेकर आया। सबसे पहले यहां बात करें फिल्म

'होरी खेले अवध में... बागबां'